



जैव प्रौद्योगिकी विभाग
मोती लाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, इलाहाबाद
DEPARTMENT OF BIOTECHNOLOGY
MOTILAL NEHRU NATIONAL INSTITUTE OF TECHNOLOGY ALLAHABAD

पत्र संख्या / Dispatch No. 2431
दिनांक / Date 04/07/24
फाइल नंबर / File No. 100
जैव प्रौद्योगिकी विभाग / Deptt. of Biotechnology
मोती लाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, इलाहाबाद / M.N.I.T. Allahabad

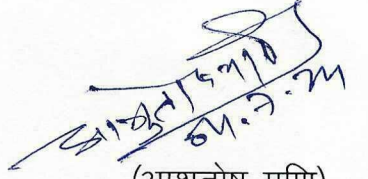


दिनांक:—04—07—2024

हिन्दी लेखन प्रतियोगिता एवं कार्यशाला की रिपोर्ट

(दिनांक 30—04—2024)

जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा दिनांक—30—04—2024 को हिन्दी लेखन प्रतियोगिता एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। सुलेख, कविता लेखन एवं कार्यालय उपयोगार्थ टिप्पणियां के लेखन के लिए आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के कार्यवाहक निदेशक प्रो० एम एम गोरे ने की। मुख्य अतिथि डा० श्लेष गौतम ने हिन्दी भाषा को दैनिक जीवन में उपयोग करने के दौरान होने वाली सामान्य गलतियों के बारे में बताया। जैव प्रौद्योगिकी विभाग की अध्यक्ष प्रो० संगीता नेगी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा कार्यक्रम की रुपरेख प्रस्तुत की। धन्यवाद ज्ञापन कार्यशाला के संयोजक डा० आशुतोष मणि ने किया।


(आशुतोष मणि)
विभागाध्यक्ष (कार्यवाहक)

सभागार
SEMINAR ROOM



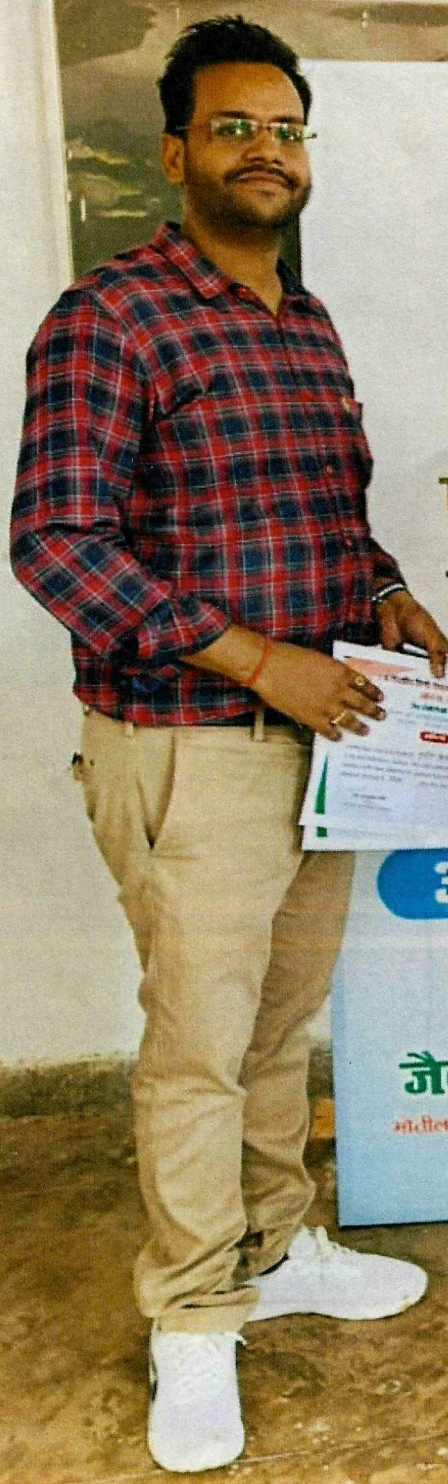
एक दिवस
हिन्दी लेख
प्रयोगिता
कार्यशाला

अप्रैल 30, 2024

अयोजक

जैव प्रौद्योगिकी विभाग

मोदीलाल बेहरा राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान
पटना-800 005 (+91 91) 251 1000



prayagraj@inext.co.in

PRAYAGRAJ (30 April):

मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जैव प्रौद्योगिकी विभाग में मंगलवार को एक दिवसीय हिंदी प्रतियोगिता और कार्यशाला का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के कार्यवाहक निदेशक प्रोफेसर एम एम गोर ने की. प्रयागराज के प्रसिद्ध कवि डॉ शैलेश गौतम बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे. यहां पर उन्होंने कर्मचारियों को दैनिक क्रियां कलापों में उपयोग होने वाली हिंदी के प्रयोग को बताया. इसी के साथ इसके गलत प्रयोग से बचने के तरीके को भी बताया. जैव प्रौद्योगिकी विभाग की अध्यक्ष डॉ संगीता नेगी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया. कार्यशाला के संयोजक डॉ आशुतोष ने धन्यवाद ज्ञापन किया. इस दौरान प्रतियोगिता आयोजित कराई गई. प्रतियोगिता में सुलेख, काव्य लेखन और कार्यालयी भाषा तीन श्रेणियों में